डॉ० जीत सिंह, एसो. प्रो. हिन्दी

(1) (26) ~~37~~

साहित्य,कला,संस्कृति,मानविकी एवं समाज विज्ञान की
द्विभाषिक षट्मासिक राष्ट्रीय शोध पत्रिका

(128)

हिन्दी शोध स्तर के ह्रास के कारण और निवारण

– डॉ0 जीत सिंह
स. पो. हिन्दी
कु.मा.रा.म. महाविद्यालय बादलपुर

शोध सारांश

मानव ज्ञान की शोध नवीन वस्तु को जन्म नहीं देती वरन् वस्तु को ज्ञात तथा विस्मृत तथ्यों को संग्रह करके उनमें निहित जीवन–मूल्यों को उद्घाटित करती है। तथ्य पहले से ही विद्यमान रहते हैं। वे परिवर्तन क्रम में लुप्त हो जाते हैं। इन खोए हुए व भूले हुए तथ्यों कों पुनः ढूँढ़ निकालना तथा स्मृति पटल पर स्थापित करना शोध कार्य का लक्ष्य है।

"टॉप 100 यूनिवर्सिटी में एक भी भारतीय नहीं" 7 मार्च 2014 अमर उजाला में प्रकाशित शीर्षक से सभी बुद्धिजीवी शोध मनीषी एवं उच्च शिक्षा से जुड़े सभी जनमानस को चिन्तन के लिए अवश्य ही बाध्य करती है तथा अतीत वर्तमान और भविष्य में उच्च शिक्षा की दशा और दिशा क्या होगी, चिन्तापरक अवश्य है। अमर उजाला बयान करता है कि दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में भारत का एक भी विश्वविद्यालय शामिल नहीं है। टाइम्स हायर एजूकेशन पत्रिका 2014 की वार्षिक वर्ल्ड रेपुटेशन रैंकिंग में यह तल्ख सच्चाई उजागर हुई है। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को एक बार फिर इस वार्षिक रिपोर्ट में स्थान दिया गया है। लिस्ट में मैसाचुसेटस इंस्टिटीयूट ऑफ टेक्नॉलाजी (एम. आई. टी.) दूसरे और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी तीसरे कैंब्रिज चौथे, आक्सफोर्ड पॉचवे और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, वर्कले छठे स्थान पर है। लिस्ट में सबसे ऊपर काबिज होने वाला भारत का पंजाब विश्वविद्यालय है। पंजाब यूनिवर्सिटी का गैर रेंक वर्ग में स्थान 226–300 के बीच है। भारतीय प्रौद्योगिकी स्थान (आई0आई9टी0) दिल्ली, कानपुर,खड़कपुर और रूड़की का स्थान इस रेंकिंग में बहुत नीचे 351–400 के बीच है। (1)

उक्त रिपोर्ट पर चिन्तनोपरान्त प्रतीत होता है कि भारत में उच्च शिक्षा का स्थान कहाँ था और अब कहाँ है?

हैरीशा ने अपनी डिक्शनरी ऑफ लिटरेरी टेर्म्स में शोध के विषय में लिखा है कि" व्यवस्थित एवं उचित खोज, पुनः अन्वेषण प्राप्त तथ्यों एवं सिध्दांतो का परिश्रम

पूर्ण अन्वेषण परी
में रिसर्च शब्द के
research is a
knowledge,a
challenge of the

प्रसिध्द समी
मूलतः कठोर श्र
और अर्थान्वेषण

" शोध विज्ञान
तथ्यो की खोज,ज्ञा
अन्वेषण तथा निर्दे
शैली के द्वारा व्यव
ज्ञान क्षेत्र म सीमा

शोध की सम
के साथ ही नहीं
जुडी हुई हैं। ये
से हिन्दी के साथ
हिन्दी जनसाधार
भारत में ही नहीं
होता है। अतः हि
है। भारत वर्ष के
में सबसे अधिक
नौकरी पाने के
और भी उतावला
कार्य प्रक्रिया प्रवि
भी गिर जाते
समस्या है, अध्य
साथ चलना। वि
संस्था या कक्ष
सानुपाति रूप से
हैं। अमेरिका त
अध्यापन कार्य से
इन देशों के शो
दोनों दृष्टियों से
महत्व रखते हैं।